n jkf t Unk

2015-16

fgUnh l D'ku

प्रो. डा. ऊषा किरण
स्टाफ संपादक

ज्योति
विद्यार्थी संपादक

fgUnh ifjPNn

1.	सम्पादकीय	विधार्थी सम्पादक ज्योति		1
2.	दोस्ती	काजल		1
3.	मेरी जिन्दगी	हरदीप		2
4.	पैसे का महत्त्व	हरप्रीत कौर ढिल्लों		2
5.	सीखो	लक्ष्मी		3
6.	गुनाहों की माफी	लक्ष्मी		3
7.	'हाँ' या 'न' मत कहना	प्रो. डा. ऊषा किरण		4
8.	बच्ची की पुकार	हरप्रीत कौर ढिल्लों		4
9.	पिता को याद करते नहीं	ज्योति		5
10	क्या मतलब	ज्योति		5
11	अच्छे विचार	टीना		6
12	ये है उनका कसूर	सुमन		6
13	औरत की पुकार	हरदीप		7
14	बीतता समय	संदीप		7
15	कल्पना	वीरपाल कौर शेरगिल		7
16	हंसी	ज्योति		8
17	होश	ज्योति		8
18	कालेज के दिन	सुमन		8
19	मेरे मन की इच्छा	संदीप		9
20	मेरी दुनिया	काजल		9
21	अब अधूरे है।	बरखा		9
22	असली जिन्दगी	सिमरन गिल		10
23	बेटी पूछे पिता से	लता रानी		10
24	जीवन	पिंकी रानी		10
25	बात तो बनती	सिमरन गिल		11
26	सफलता का रहस्य	सिमरन गिल		11
27	ज्ञान के मोती	मिंटा रानी शर्मा		11
28	मातृ भूमि की रक्षा	पिंकी रानी		12
29	विदाई	सुमन		12
30	अनमोल वचन	मिंटा रानी शर्मा		13
31	रिश्तों की अहमीयत	एकता		13
32	औरत के रूप	माधुरी		14
33	माँ	एकता		14

lEiknd h;

प्रिय मित्रो

हमारे कालेज की मैगजीन 'द राजिन्द्रा' का नवीन अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। बात है समय की, समय हमारी जिन्दगी में सबसे महत्वपूर्ण है किसी विद्धान ने कहा है

जो इन्सान समय की कदर नहीं करता
समय भी उसकी कदर नहीं करता

समय कितनी अजीब चीज़ है । देखते ही देखते रेत की तरह हाथ से फिसल जाता है। समय की हमारे जीवन में बहुत कीमत है। परन्तु लोग इस की कीमत नहीं जानते। जो लोग समय की कदर करते हैं समय उनको बहुत कुछ दे जाता है अगर कोई इस की कदर ना करे तो उसका सब कुछ ले जाता है। समय को आज तक कोई भी पकड़ नहीं पाया परन्तु जो इन्सान समय के साथ चलता है और जो समय का पाबंद होता है वो ही समय पर काबू पा सकता है। इसलिए कृपया समय की कदर करें।

आप सब की रचनाएं हमारे पास पहुॅची, जो प्रशसनीय है। आप सभी का धन्यवाद करती हूं। किन्तु मैं उस साथी विद्यार्थियों से क्षमा चाहती हूॅ जिनकी रचनाओं को अवसर ना मिल सका वे निरूत्साहित न हों प्रयास जारी रखें

विधार्थी सम्पादक
ज्योति 3128

nkLrh

दोस्ती भी अजीब होती है
दोस्ती में हर खुशी नसीब होती है।
दोस्ती सब रिश्तों से ज्यादा होती है।
फिर भी दिल के करीब होती है।
जिन्दगी में दोस्त का होना बहुत जरूरी है।
दोस्ती जो निभाये वो फरिशता होता है।
दोस्ती की हर रीत को निभाना दोस्ती है।
दोस्ती में कभी धोखा न देना, ए दोस्त!
दोस्ती ही खुदा की परछाई होती है।

काजल
3262
बी.ऐ।।

ejh f t Unxh

मेरी जिन्दगी फूलों जैसी
कभी खिलती कभी मुरझाती
ओस की बूंदों जैसी
कभी पत्तों से फिसलती कभी खुद में सिमटती
कभी उजली धूप के जैसी
कभी धुंधली सी रोशनी जैसी
मेरी जिन्दगी बचपन जैसी
कभी नटखट जैसी
कभी अठखेलियां करती कभी उदास हो जाती
मेरी जिन्दगी बड़ी अजीब सी
कभी नाराज खुद से तो कभी दुनिया से नाराज हो जाती
मेरी जिन्दगी अपने आप में
कभी सुलझती तो कभी उलझती जाती
मेरी जिन्दगी अलग स्वाद से भरी
कभी मीठी गन्ने जैसी तो कभी तीखी मिर्च जैसी
ये मेरी जिन्दगी अलग अलग रंगों से भरी!

हरदीप
कक्षा बी.ऐ II
3505

il dkegUo

पैसा बहुत कुछ है
पर सब कुछ नहीं।।
पैसे से पुस्तकें मिल सकती है
पर विद्या और ज्ञान नहीं।
पैसे से मूर्त्तियां मिल सकती है
पर भगवान् नहीं।
पैसे से भोजन मिल सकता है
पर तृप्ति नहीं।
पैसे से विष मिल सकता है
पर अमृत नहीं।
पैसे से चित्र मिल सकता है
चरित्र नहीं।
पैसे से मानव मिल सकता है
पर मानवता नहीं
पैसे से दवा मिल सकती है।
पर दुआ नहीं।
पैसे से बहुत कुछ मिल सकता है
पर सब कुछ नहीं
चाहे दुनिया में कोई चीज
हमेशा नहीं टिकती
पर ये भी सच है यहां हर चीज़ नहीं
विकती

हरप्रीत कौर ढिल्लों
बी.एस.सी मैडीकल 205

lh[kk

जिन्दगी एक दर्द है
इसे सहना सीखो।
दिल की बात जरूरी है
इसे कहना सीखो।
हर कदम पर धोखा है
संभल कर चलना सीखो।
किसी और से प्यार करने की बजाय
खुद से प्यार करना सीखो।
किसी इन्सान से नहीं
भगवान से डरना सीखो।
पीछे मुड़कर मत देखो बल्कि
आगे बढ़ना सीखो।
अगर खुद दुःखी हो तो,
किसी को खुशी देना सीखो।
जिन्दगी यही है
इसे स्वीकार करना सीखो।

लक्ष्मी,
कक्षा बी.ए, ।।
3597

xukgk dhekQh

दिल की किताब को कभी खोलकर देखना।
कितने जुल्म किए कभी फरोलकर देखना।
शर्म आ जाए तो उन्हें सुधारने की कोशिश करना
अगर अच्छा लगे तो फिर दुहराने की कोशिश करना।
बस एक गुजारिश है आपसे, मरते दम तक
अपने गुनाहों की माफी माँगने की कोशिश करना।

लक्ष्मी,
कक्षा बी.ए, ।।
3597

gk ;k*u* er dguk

बहुत सोचा, सोचती रही क्या लिखूं
कुछ लिख नहीं पाई क्योंकि मस्तिष्क में
कुछ था नहीं या यूं कहिए कि किसी ने
कुछ रहने ही नहीं दिया
कहते हैं राय चाहिए,
पर अपने विचार मत देना
चुप चाप सुनती जाओ,
'हां' या 'न' मत कहना
मिट्टीं का माधो बनी रहो
पैसे मेरे हाथ में देती रहो
तुम्हें जो चाहिए ले लेना
पर कभी 'हाँ' या 'न' मत कहना।
दिन में बीस घंटे खीझ में रहते हैं
बाकी चार घंटे सोने में निकलते हैं
न अपनी कहने,
न उनकी सुनने का मौका
फिर कहना,
सुनने से पहले ही टोका
ऐ मेरे मन! चुपचाप मान लेना
पर कभी 'हाँ' या 'न' मत कहना।

डा. उषा किरण
हिन्दी विभाग

cPph dh idkj

आज एक गरीब घर में जन्मी बच्ची,
गोल मटोल सुन्दर बड़ी अच्छी
कभी रोए कभी हंसे, कभी घबराए
पर वह अपने मन की बात न कह पाए,
ताने मार रही सास है
पर उसकी मां, बेहद उदास है
वह बड़ी खामोश और मजबूर है
जैसे मन में कह रही हो
जो खुदा को मन्जूर है
फिर दादी के ताने पिता पर टूट पड़े।
जो पहले से ही सोच में डूबे पड़े।
दादी ने कहा भगवान् ये आपने क्या किया।
मांगा था पोता, तुमने पराया धन दिया।
अभी से फ़िकर करो तभी तो दहेज दे पाओगे
आज इस महगाई में कैसे ब्याह पाओगे।
आज दहेज के कारण बच्ची का जन्म सता रहा है
आज से ही मासूम बच्ची का वर ढूंढा जा रहा है
उस घर की रसमें देखकर घबरा रही है बच्ची
पर किसी की बात समझ नहीं पा रही है बच्ची।
कोई तो दूर करो बुराई ये दाज की
अटूट अंग जो बन गई समाज की।

हरप्रीत कौर ढिल्लो
बी.एस.सी ।। मैडीकल, 205

पिता को याद करते नहीं

याद मां को हमेशा करते
पिता को याद करते नहीं
क्या हुआ वो थोड़ा डांटते
मां से कम प्यार वो करते नहीं
परिवार चलता उन के सहारे
उनके बिना घर चलता नहीं
परिवार के दुख में दुखी वो
पर कभी किसी को बताते नहीं
वो देते परिवार को हौसला
पर कभी खुद डगमगाते नहीं
अगर आंसू आये आंखों में
पर किसी को दिखाते नहीं
प्यार सब को बराबर करते
फर्क कभी किसी से जताते नहीं
याद मां को हमेशा करते
पिता को याद करते नहीं।

ज्योति
बी.ऐ ।।
3128

D;keryc!

जिस काम को करने से किसी को दुख हो उसे करने से क्या मतलब !
सफलता तो मेहनत करने से ही मिलती है।
तो मेहनत से दिल चुराने का क्या मतलब !
कुछ बोलने से पहले सोच लें बोलने के बाद पछताने का क्या मतलब!
जिस बात से दुख हो सबको उस बात को बताने से क्या मतलब !
ज़ो काम समय पर न किए जाये,
समय बीतने के बाद करने का क्या मतलब !
जिस पूजा से विश्वास ना हो,
उस पूजा को करने से क्या मतलब !

जिस काम से हमें खुशी मिले शायद उससे दूसरों को दुख हो सकता है इसलिए हर काम को सोच समझ कर करें।

ज्योति
बी.ऐ – ।।
3698

vPNfopkj

1. अगर हम बोलें तो हमेशा सच्च बोलें
2. अगर हम बनें तो निडर और बहादुर बनें
3. अगर हम कुछ करें तो समाज की सेवा करें
4 अगर हम चलें तो ईमानदारी के रास्ते पर चलें
5 अगर हम नाश करें तो नशों का करें
6 हम हर किसी का आदर करें
7 अगर हम निभायें तो अपने फर्ज
8 अगर हम कुछ बांटे तो दुनिया के दुख बांटे
9 अगर हम कुछ सीखें तो दुनिया को सुख देना।
10 अगर हम कुछ प्राप्त करें तो खुशियां प्राप्त करे।

नाम टीना
बी.ऐ ।।
3008

;gmudkdlj

जब तू दुनिया में आया
खुशियां मानता हर कोई
खुश था पूरा परिवार
तुझे गोद में खिलाना
उन सब का था गुरूर
पढ़ा लिखा कर, तुझे पाल पोस कर
एक अच्छा इन्सान बनाना
ये ही था उनका सुरूर
पर अब तू पढ़ लिख कर
बन महान् भूल बैठा उन्हें
अब तुझ पर है जुनून
दे देकर ताने उन्हें कष्ट पहुचाना
दुख मय उनका जीवन बनाना
अब तुझ पर है ये जुनून
अपमान तिरस्कार, असत्य बोलना
ज्यों ज्यों बड़ा तू होने लगा
होने लगे पैदा तुझे में बिकार
था ? कौन सा ऐसा कारण
जो तूने बिखेर दिया परिवार
क्या तुझे दिये थे ये संस्कार
तुझे पाल पोस, तुझे एक अच्छा
इन्सान बनाना चाहा
क्या ? यही था उनका कसूर

नाम सुमन
कक्षा बी.ऐ ।।
3108

vkjr dh i dkj

औरत हूँ मैं, औरत हूँ मैं
दुनिया ने ना अर्थ समझा
समाज मर्द प्रधान है।
दोनों में फर्क समझा,
जब जुल्म के खिलाफ बोली
दुनिया ने तर्क समझा।
पैर की जूती मुझे बनाया
मैंने रोष किया, गुस्सा समझा
जो मर्जी दबा कर चला गया
टूटी फूटी सड़क समझा
जब मैं कभी हंस कर बोली
दुनिया ने बदचलन समझा
गुरूयों ने जननी कहा मुझे
दुनिया ने ना हरफ समझा।
गरमी के जुल्म में खुरती रही
अपना आप जीना बर्फ समझा
ऋषि मुनियों ने दूरी रखी मुझ से
उन्होंने मुझे नरक समझा
'हैपी' औरों की क्या कहें
अपनों ने ही फर्क समझा

हरदीप
बी.ऐ ।।
3505

chr rk l e;

बहते झरनों में क्या ढूंढते मुझे
मैं तो नदियों में, समुद्रो की लहरों में.....
किताबों के पन्नों में क्या ढूंढते मुझे
मैं दिल के पन्नों पर लिखता अफसाने...
बरसात की बूंदों में क्या ढूंढते मुझे
में तो ओस की बूंदों सा पेड़ों के
पत्तों से फिसलता .....
चाहकर भी मुझे दोबारा ना पा सकोगे
जब तुम्हें समझ आयेगा मैं हूँ बीतता समय
मैं हूँ बीतता समय !

संदीप
बी.ए ।।
3580

dYi uk

है दिल में एक कल्पना
बनूं मैं भी, जैसी थी कल्पना
देश की पहली थी कल्पना
नारी जाति का अभिमान थी कल्पना
सबसे आगे निकल गई कल्पना
प्रेरणा बन गई सब के लिए कल्पना
था विश्वास पर, बन कर रह गई कल्पना
उम्मीद थी, उम्मीद तोड़ गई कल्पना
सब को छोड़, गई कल्पना
आकाश में उड़ने की थी कल्पना
आकाश ने छीन ली जो थी हमारी कल्पना
कैसे मिलेगी हमें यही कल्पना
है दिल में यही कल्पना।
बनूं मैं भी जैसी थी कल्पना।

वीरपाल कौर शेरगिल्ल
बी.ऐ ।।
3025

glh

1. हंसी सबसे जरूरी है।
2 हंसो और हंसाओ सबको
3 जीवन की सबसे प्यारी वस्तु है – हंसी
4 दोस्ती की खुशी का कारण है– हंसी
5 पास होने की खुशी का कारण है – हंसी
6 दुखी के दुख दूर करने का कारण है– हंसी
7 दुश्मन की घृणा कम करती है– हंसी
8 उदासी दूर करती है – हंसी

हंसी किसी की भी उदासी दूर कर देती है हमेशा हंसते रहना चाहिए और दूसरों को हंसाना चाहिए।

ज्योति
बी.ऐ ।।
3698

gk'k

हर कोई समझता , अमर खुद को,
मरने वाले इस जहान में
बिना विचारे दौड़ने की शर्त लगी हो जैसे
दुनिया के मैदान में
अहंकार की पट्टी बांध निकले घर से
दिल में कुछ आरमान थे
एक तरफ थी बस्तियां एक तरफ शमशान थे
शमशान की एक हड्डी को लगी ठोकर
लुड़कते हुए उसके अन्तिम ब्यान थे
ऐ चलने वाले जरा संभल कर चल
हम भी कभी इन्सान थे।

ज्योति
बी.ऐ ।।
3128

dkyt d fnu

कालेज के क्या दिन हैं यारो
खूब मज़े हम करते हैं
रोज़ रोज़ हैं कालेज जाते
बस छुट्टी से ही डरते है

कैन्टीन की चाय के आगे
सारी दुनिया फीकी है
लाईब्रेरी की शान्ति
मन्दिर मस्जिद जैसी है

प्रोफैसर के प्यारे लैक्चर
खूब हमें तो भाते है।
उनकी ही बजह से तो हम
क्रीमी लेयर से कहलवाते है।

शुक्रगुज़ार हम रजिन्दरा कालेज के
जिसने दिल से हमें अपनाया है
हम भी हैं ये वादा करते
इसकी शान को बढ़ायेगे
इसकी शान को बढ़ायेगे

सुमन
बी.ऐ –।।
3063

e j e u d h bPNk

मेरा मन करे, मैं भी कुछ बन जाता,
पशु – पक्षी, पेड़–पौधा, नदी या पहाड़
सब के दुख लेकर सुख दे पाता
काश मैं भी कुछ बन पाता
काश! मैं पेड़ बन पाता
सब को देता हरियाली
पक्षियों के घोंसले सजाता
मुसाफिरों को छाया देता
उन्हें गर्मी से मैं बचाता
खाने को फल दे पाता
भूख उनकी मैं मिटाता
बारिश में नहाता
हरा भरा मैं हो जाता
अगर मैं पेड़ बन जाता
काश! मैं नदी बन जाता
सबकी प्यास बुझाता
कण–कण को महकाता
हर घर घर जा पाता
सबको पानी बचाने का
संदेश दे पाता
बंजर धरती को हरा भरा कर जाता
अगर मैं नदी बन जाता

संदीप
बी.ऐ ।।
3530

e j h n f u ; k

जहां दोस्ती हो वहां मेरी दुनिया
जहां कोई किसी का दिल ना दुखाये
वहां मेरी दुनिया
जहां एक दोस्त दूसरे दोस्त से
गुस्सा ना हो
वहां मेरी दुनिया
जहां नफरत कोई किसी से नहीं करता
जहां कभी लड़ाई ना हो
जहां खुशिया बेशुमार हों
जहां ममता का भण्डार हो
जहां सुख के साथ दुख हो
जहां लड़कियों के लिए प्यार हो
वहां मेरी दुनिया
काजल करे यह प्रार्थना हमेशा
ऐसी ही हो हमारी दुनिया।

काजल,
बी.ऐ ।।
3262

l c v /k j gA

भगवान् अधूरे भक्त बिना
परिवार अधूरे बच्चों बिना
दिन अधूरा रात बिना
सावन अधूरा बरसात बिना
जिन्दगी अधूरी प्यार बिना
चांद अधूरा चकोर बिना
फूल अधूरा खुशबू बिना
खाना अधूरा दाल बिना
गीत अधूरा सुर ताल बिना
लेखक अधूरा कलम बिना
इस दुनिया में हर कोई अधूरा है हर किसी
को पूरा होने के लिए किसी ना किसी की जरूरत है।

बरखा, बी.ऐ ।।, रोल नं. 3278

v l yhft Unxh

वो याद ही क्या जो किसी की याद ही ना दिलाये
वो याद ही क्या जो पल पल जीना मुश्किल ना बनाये
वो प्यार ही क्या जो बिना मुश्किल के मिल जाये
वो प्यार ही क्या जो दूर होकर भी पास होने का एहसास ना कराये।
वो जिन्दगी ही क्या जो खुद मिट कर दूसरों को जिन्दगी ना दे जाये।
वो दिन ही क्या जो लोगों को नया काम ना दे जाये।
वो इन्सान ही क्या जो किसी के काम ही ना दुख में आये।
जो जिन्दगी हम दूसरों के लिए जीते है वो ही असली जिन्दगी है।

सिमरन गिल
बी.ऐ ।।
3017

cVh iNfirk l

पूछे बेटी पिता से
जन्म पर मेरे आंसू बहाओंगे तो नहीं
जन्म पर मेरे खुशियां मनाओगे
गम में डूब जाओगे तो नहीं
मांगू जो प्यार आप का
नफरत जताओगे तो नहीं
चाहूं मैं अगर पढ़ना
इन्कार कर जाओगे तो नहीं
चाहूँ मैं अधिकार बराबर का
भेदभाव कर जाओगे तो नहीं
जब हो गयी जवान, विवाह
कर सूली चढ़ाओगे तो नहीं
फूलों की तरह पाली इस बेटी को
कांटों पर बिठाओगे तो नहीं
कर पराया इस बेटी को
भूल जाओगे तो नहीं
पूछे बेटी पिता से

लता रानी
3322, बी.ऐ ।।

thou

जीवन एक संघर्ष है, इसको जीतो
जीवन एक सुन्दरता है, इसकी पूजा करो
जीवन एक यात्रा है, इसको पूरा करो
जीवन एक चेतावनी है, इसको स्वीकार करो
जीवन एक सपना है, इसको पूरा करो
जीवन एक खेल है, इसको खेलो
जीवन एक प्यार है, इसका आन्नद लो
जीवन एक गीत है, इसे गाओ
जीवन का सब से बड़ा खज़ाना शिक्षा है, इसे प्राप्त करो

नाम पिंकी रानी
रोल नं 3111 बीए ।।

ckr rk curh

1. सुख में तो सभी खुश होकर मिलते
दुख में भी वैसे ही खुशी से सहारा देते
तो बात बनती

2 ख्यालों में तो हर कोई आता
हकीकत में आता, बात तो बनती
खुशी में तो सब खुश हो जाते
दुख को भी खुशी से सहते
तो बात बनती।

3 फूलों पर चलना तो आसान है
कांटों पर चलते बात तो बनती
चेहरे तो सभी पढ़ लेते हैं
कोई दिल पढ़ पाता तो बात बनती
अपनों को सभी अपनाते है
कोई परायों को अपना बनाता
तो बात बनती

सिमरन गिल
बीए ।।
3017

lQyrk dk jgL;

1. बटन ने कहा आगे की ओर बढ़ने की कोशिश करो।
2 बर्फ ने कहा – ठण्डे रहकर धीरज धारण करो।
3 घड़ी ने कहा – प्रत्येक काम समय पर करो।
4 हथौड़े ने कहा – ठीक स्थान और ठीक समय पर प्रहार करो।
5 चाकू ने कहा – प्रत्येक काम में तेजी और गति लाओ।
6 मोहर ने कहा – जो भी मिले उस पर अपनी छाप छोड़ दो।
7 खिड़की ने कहा – धूप, वर्षा और जाड़े आदि की चिन्ता न करो

Kku d ekrh

1. पहले बच्चे कहा करते थे कि हम माता पिता के साथ रहते है और आजकल कहा जाता है कि माता पिता हमारे पास रहते है । यह पश्चिमी सभ्यता का असर है।
2 जुबान सिर्फ तीन इंच लम्बी होती है, फिर भी यह छह फीट के आदमी को परास्त कर देती है।
3 आप का सबसे अच्छा दोस्त वह है जो आपकी कमजोरियों की दूसरों से चर्चा नहीं करता, लेकिन आपसे साफ साफ कह डालता है।
4 जो कुछ बच्चों को सिखाया जाता है, उन पर यदि बड़े खुद भी अमल करें तो यह संसार स्वर्ग बन जाये।
5 लोग हमें जितना अच्छा समझते हैं उतने अच्छे हम नहीं होते और लोग हमें जितना बुरा समझते हैं उससे हम अधिक बुरे होते हैं।

मिंटा रानी शर्मा, बीए ।।।
9331

ekr Hkfe dh j{kk

जागो ए भारत बासियो जागो
मातृ भूमि की रक्षा की खातिर
तुमको मरमिट जाना होगा
आक्रमण जो करे देश पर
उनको मजा चखाना होगा
आज देश के गद्दारों को
सूली पर लटकाना होगा
भेदभाव दूर भगाकर
प्रेम भाव जगाना होगा
जान माल की फिक्र छोड़कर
देश को बचाना होगा
बार बार यह शब्द उठाना होगा
बन्दे मातरम्! बंदे मातरम्!

पिंकी रानी
बी.ऐ ।।
3111

fonkb

वक्त बीते बीत जाता है
वो वापिस कभी ना आता है
हर दिन मेरा मन घबराता है।
समय ने अपनी रफतार दिखाई है।
अखिर विदाई की घड़ी आयी है।
विदाई की पीड़ा सही ना जाए
दोस्त से जुदा होते मन गोते खाये
ईश्वर तुने क्या खेल रचाई, जो
लेकर खुशियां आता है, आज वो
दोस्त आंसू बहाता है।
यह बात मेरी समझ से बाहर है।
ये दिन कभी किसी पर आये ना
अगर मैं होता जन्मदाता, तो ये दिन
कभी ना बनाता।

सुमन
बी.ऐ ।।
3063

vueky opu

1. खुश रहना और खुशी को बांटना, आप से जितना हो सके इसे बांटते रहो। यह ईश्वर की ओर जाने वाला एक अच्छा कदम है।
2 किसी से सहारा लिए बिना कोई ऊपर नहीं चढ़ सकता। हर एक को किसी न किसी का सहारा लेना पड़ता है।
3 इस धरती पर नियम सबके लिए एक जैसा नहीं है। यहां कोई रोने के लिए आया है तो कोई हंसने के लिए आया है। सब अपने कर्म भोग रहे हैं।
4 ईमानदारी तो इसमें है कि जो खामियां हमारे अंदर हैं उनके लिए किसी और को दोषीन ठहराएं।
5 हम जो हैं वही बने रहकर, हम वह नहीं बन सकते जो कि हम बनना चाहते हैं।
6 जितना अधिकार हमेंअपनीबात कहने का है उतना ही अधिकार दूसरे को भी अपनी बात कहने का है।
7 जन समुदाय में बैठकर आवश्यकता से अधिक नहीं बोलना चाहिए।
8 आज के युग में सभी रिश्ते स्वार्थ से पोषित हैं केवल मां ही एक ऐसी है जो बिना किसी स्वार्थ के अपनी संतान का हर मुश्किल में साथ देती है और हमेशा अपनी संतान को सुखी देखना चाहती है।
9 लालच इंसान को नरक की तरफ धकेल रहा है। आज इंसान पैसों की दौड़ में भगवान को भी भूल गया है। इस लिए हर समय दुखी और तनाव में रहता है। मन की शांति भंग हो गई है।
10 छोटी सी गलतफह भी यदि कोई है तो उसको बैठ कर प्रेम प्यार से हल कर लें। उसका हल बड़ी आसानी से निकल आएगा। । संतुलन बनाए रखें। मत भेद बहस की सीढ़ी बनते हैं।

मिंटा रानी शर्मा
बीए ।।।
9331

fj'rk dh vgeh;r

रिश्तों की अहमीयत को समझना कोई आसान काम नहीं है। रिश्तों को वो इन्सान ही समझ सकता है जिसने कभी रिश्तों को निभाया हो ! आजकल के समाज में कई बच्चों को तो रिश्तों का पता ही नहीं होता है कि रिश्ते होते कौन कौन से हैं ! आज कल के बच्चों के लिए तो चाहे अपना हो या पराया सभी अंकल आन्टी होते हैं, उन्हें चाची चाचा, दादा–दादी, मामा–मामी किसी भी रिश्ते का पता ही नहीं होता है!

पर जो बच्चे संयुक्त परिवार के साथ रहते हैं उन्हें फिर भी पता होता है पर जो बच्चे संयुक्त परिवार के साथ नहीं रहते उन्हें तो किसी रिश्ते का पता ही नही होता । रिश्तों को समझना बहुत जरूरी है क्योंकि अपनों के साथ जिंदगी जीने का मज़ा ही अलग है रिश्ते ही एक व्यक्ति को समाज, सभ्याचार और भाई चारे से जोड़ते हैं।

एकता, बी.ऐ ।।, 3722

vkjr d : i

जब जन्मी बाबुल के अंगना
बेटी कह धिक्कार दिया
बोझ, नालायक और कलंकिनी
जाने क्या क्या नाम दिया
मैं रो रो कर यही पूछती हूँ।
क्यों ना बेटों सा अधिकार दिया
जब मैं बनी किसी की दुल्हन
पांव की जूती कह नाकार दिया
दहेज प्रथा के नाम पर मुझे
जलती आग में डाल दिया।
मैं रो रो यह पूछती हूँ।
क्यों ना पत्नी – सा सम्मान दिया।
जब जन्म दिया बेटे को
मां रूप धार लिया
कुछ ना सोचा, कुछ ना समझा
सब कुछ अपना बार दिया
बड़ा हुआ तो उसी बेटे ने
घर से है निकाल दिया
मै रो रो कर यही पुछती हूँ
क्यों ना मां सा मुझको प्यार दिया

माधुरी
बी.ऐ ।।
3065

ek

'माँ' कहने को शब्द छोटा सा है।
'माँ' के बिना जिन्दगी अधूरी है।
'माँ' अपने बच्चों के लिए
हर गम सहन कर जाती है
'माँ' के कदमों में स्वर्ग है।
'माँ' की आज्ञा का पालन ना करना
सबसे बड़ा अपराध है।
'माँ' दुनिया की सबसे बड़ी हस्ती है।
'माँ' के आशीर्वाद से बढ़ कर कुछ भी नहीं
'माँ' से बढ़कर कोई नहीं।
'माँ' दुनिया का सबसे बड़ा गुरू है।
'

माँ' भगवान की ओर से,
बच्चों के लिए मूल्यवान उपहार है।
'माँ' का दिल कभी ना दुखायें
'माँ' की आज्ञा मानना कर्तव्य बच्चों का
'माँ' का दिल सबसे कोमल और सच्चा होता है।
'माँ'कभी किसी का बुरा नहीं चाहती
'माँ' के आशीर्वाद का असर हमेशा दिखाई देता है
ऐसी 'माँ' जिन्दगी में सबको मिलती है।

एकता, बी.ऐ ।।, 3722